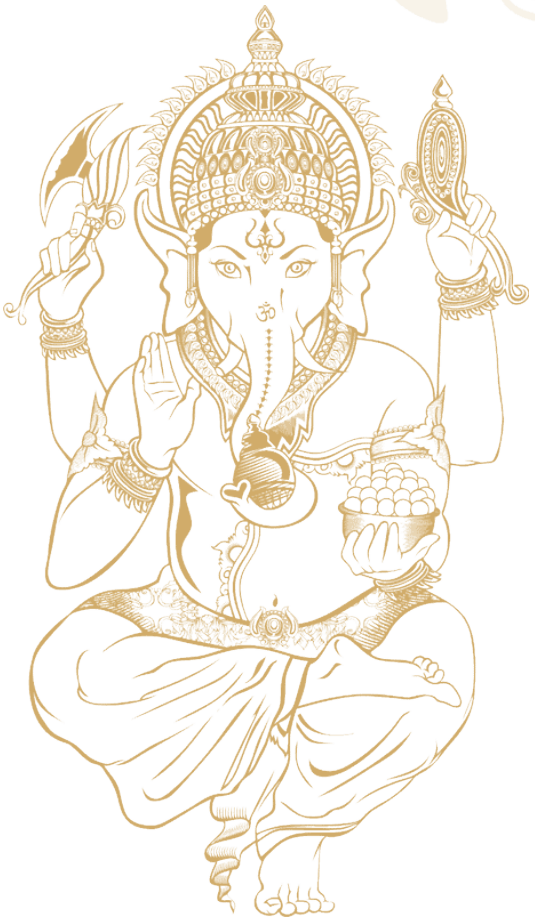

P

P

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121647709

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/08/1990	जन्म तिथि	05/11/1990
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 20:50:00	जन्म समय	18:37:00 घंटे
घटी 37:47:16	जन्म समय(घटी)	30:48:23 घटी
India	देश	India
Jabalpur	स्थान	Jabalpur
23:10:00 उत्तर	अक्षांश	23:10:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व	रेखांश	79:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12	स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:05	सूर्योदय	06:17:38
18:48:28	सूर्यास्त	17:29:53
23:43:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 6मा 10दि	00:42:18	मीन	लग्न	वृष	08:49:58	मंगल 5वर्ष 4मा 24दि
शनि	21:08:00	कर्क	सूर्य	तुला	19:07:29	गुरु
17/02/2026	03:45:08	कुंभ	चंद्र	वृष	26:22:44	31/03/2014
16/02/2045	23:00:38	मेष	मंगल व	वृष	19:00:53	31/03/2030
शनि 20/02/2029	18:09:05	सिंह	बुध	तुला	27:53:01	गुरु 19/05/2016
बुध 31/10/2031	03:57:59	कर्क	गुरु	कर्क	18:53:24	शनि 30/11/2018
केतु 08/12/2032	28:37:15	मिथु	शुक्र	तुला	20:06:51	बुध 07/03/2021
शुक्र 08/02/2036	26:36:13	धनु व	शनि	धनु	26:28:57	केतु 11/02/2022
सूर्य 20/01/2037	13:34:46	मक व	राहु व	मक	07:42:11	शुक्र 12/10/2024
चन्द्र 21/08/2038	13:34:46	कर्क व	केतु व	कर्क	07:42:11	सूर्य 31/07/2025
मंगल 30/09/2039	12:26:49	धनु व	हर्ष	धनु	12:58:32	चन्द्र 30/11/2026
राहु 06/08/2042	18:37:25	धनु व	नेप	धनु	18:33:44	मंगल 06/11/2027
गुरु 16/02/2045	21:17:03	तुला	प्लूटो	तुला	23:46:44	राहु 31/03/2030

लग्न-चलित

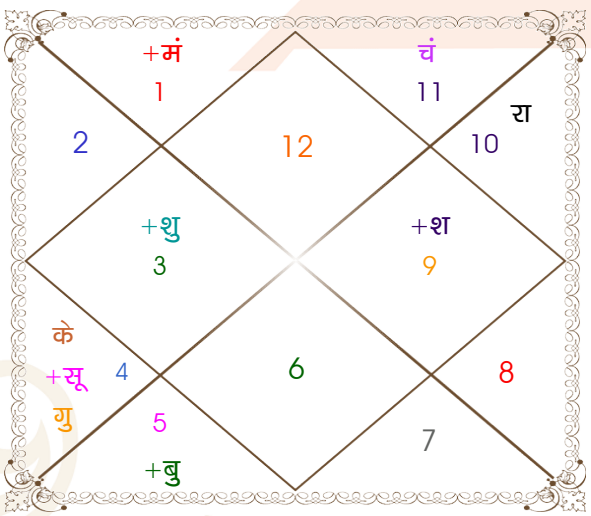

लग्न-चलित

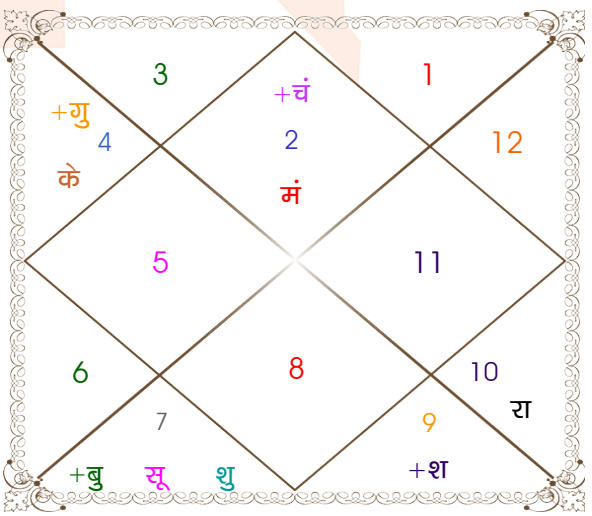

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि P का नक्षत्र मृगशिरा है।

P का वर्ग मार्जार है तथा P का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार P और P का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

P मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

P मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र P कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु P कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

P तथा P में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।